

06/06/24

उत्प्रेषण प्रती अनुपालने।
वेरका, लरका, डपनी आवाज भावार्थ
गर्ह उत्प्रेषण प्रती अथवा उत्पी
स्वयं उपस्थित नही हुए।

स्वयं उत्प्रेषण का उपलक्षण अधिका
किन्ना प्रतीति ग्राम सुवाच पण्डित
पालका तहसील कस्बी के बजाय सुवाच
159 से अर्केत नाम चीलीकाई के
बजाय प्रेमबाई अर्केत किर जाके हेतु
धारा 136 प्र अ के तहत प्रावण
पर उल्लेख किन्ना है।

धारा 136 प्र अ के तहत गत
सेरलमेर के मुकदमे नवीन रेकार्ड में
कोई त्रुटि रह जाये है अथवा सुई किर
जाके के प्रावण है। अर्केत प्रसुत
प्रकार नाम परिवर्तन किर जाके बाद
है, जिससे प्रकार धारा 136 प्र अ
के तहत प्रावण नही है। अतः प्रावण
का प्रावण पर शरीर किन्ना जाके
संश्लेषण कोल्ल सुमा होकर नरक
से काम है।

(
मीर देवल)
अधीन कलक्टर एवं
अधीन अधिकारी
भिसीदगढ़ (राज.)